RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –III GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **Public Administration**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. राज्य प्रशासन के अस्तित्व का क्या महत्व हैं ?

उत्तरः– लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण, भिन्न सामाजिक सांस्कृतिक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं संघ के समानान्तर अभिकरण के रूप में राज्य प्रशासन महत्वपूर्ण हैं।

2. अनुच्छेद 356 के सम्बन्ध में क्या विवाद हैं ?

उत्तरः– राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता के कारण राष्ट्रपति शासन की सिफारिश के संदर्भ में राज्यपाल द्वारा इस अनुच्छेद के दुरूपयोग के कारण अनुच्छेद 356 विवादित हैं।

3. **राज्य निर्वाचन आयोग के कोई दो प्रमुख कार्य लिखिए ?**

उत्तरः–

- **i.** पंचायत व नगरपालिकाओं के चुनावों का संपादन, नियंत्रण,अधीक्षण व निर्देशन करना।
- **ii.** इन चुनावों से संबंधित सभी प्रकार के विवादों को सुलझाना ।

4. **सरकारिया आयोग की कोई दो महत्वपूर्ण सिफारिशें लिखिए ?**

उत्तरः–

- **i.** केन्द्र–राज्य संबंधों को सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से राज्यपाल की नियुक्ति के संबंध में मुख्यमंत्री से सलाह ली जानी चाहिए ।
- **ii.** विशेष परिस्थितियों के अभाव में राज्यपाल को 5 वर्ष से पूर्व नहीं हटाया जाना चाहिए ।

5. **राजस्थान में लोकायुक्त की जाँच के दायरे का उल्लेख कीजिए ?**

उत्तरः–

- **i.** मुख्यमंत्री के अलावा अन्य सभी मंत्री
- **ii.** राज्य के सभी प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी
- **iii.** जिला प्रमुख, उपजिला प्रमुख, प्रधान, उपप्रधान
- **iv.** स्थानीय स्वशासन व नगरनिकाय प्रमुख
- **v.** विकास आयुक्त (जयपुर, जोधपुर, अजमेर)

6. **राज्य प्रशासन में मुख्यमंत्री की भूमिका का वर्णन कीजिए ?**

उत्तर :–मुख्यमंत्री राज्य सरकार की नौका का कप्तान अथवा राज्य में शासन का वास्तविक अध्यक्ष होता हैं। मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद के गठन व मंत्रियों को विभागों के आंवटन में महत्वपूर्ण भूमिका रखता हैं। मुख्यमंत्री विधायी कार्यों के प्रारूप व क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करता है व मंत्रिपरिषद व राज्यपाल के मध्य की कड़ी के रूप में कार्य करता हैं। सत्ता के अभ्यास द्वारा मुख्यमंत्री जन कल्याण, जन सम्पर्क व जनसुनवाई जैसी प्रक्रियाओं को संपादित करता हैं। इस प्रकार मुख्य राज्य प्रशासन का केन्द्र बिन्दु हैं।

7. **"लोक सेवा गारण्टी अधिनियम ने राज्य प्रशासन को सुदृढ़ किया हैं।" टिप्पणी कीजिए ।**

उत्तरः– लोक सेवा गारण्टी अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नियम समय सीमा में नागरिको को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध करवाना हैं। यह अधिनिमय नागरिकों व प्रशासन के बीच समन्वय का पोषक हैं। इस अधिनियम के तहत कुशल लोक सेवको को पुरस्कार व समयबद्ध कार्य न करने वाले लोक सेवको हेतु दण्ड का प्रावधान किया गया हैं। अतः इसके माध्यम से लोक सेवको की प्रतिबद्धता में वृद्धि हुई व राज्य प्रशासन अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील व बेहतर बना। यह अधिनिमय कुछ सीमा तक नागरिक को अधिकारों के प्रति सजग करने में भी सफल हुआ हैं। इस प्रकार इस अधिनियम ने राज्य प्रशासन को सुदृढ़ किया हैं।

8. **राज्यपाल का पद दोहरी भूमिका लिये हुए हैं।" टिप्पणी कीजिए ।**

उत्तरः–राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख व केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में दोहरी भूमिका का निर्वहन करता हैं । राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में राज्यपाल में कार्यपालिका शक्तियाँ जैसे मुख्यमंत्री की नियुक्ति, मुख्यमंत्री की सलाह पर

मंत्रिपरिषद की नियुक्ति, महाधिवक्ता व राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति इत्यादि समाहित है। विधानसभा द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल के हस्ताक्षर से अधिनियम का रूप लेता है। शासन संचालन हेतु आवश्यक होने पर राज्यपाल अध्यादेश जारी करेन की क्षमता रखता हैं। इसके अतिरिक्त राज्यपाल में राज्य प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने हेतु कई विवेकाधीन शक्तियाँ भी निहित है इसी के साथ राज्यपाल की नियुक्ति केन्द्रीकृत होने से राज्यपाल केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में राज्य सरकार पर नियंत्रण व पर्यवेक्षक का माध्यम भी हैं। राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर राज्यपाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करता है। राज्य में स्पष्ट बहुमत न होने पर राज्यपाल द्वारा केन्द्र में सत्ता रूढ़ दल को सरकार बनाने हेतु आंमत्रित करने के क्रम में राज्यपाल की केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में आलोचना की जाती है। इसके अतिरिक्त किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का प्रावधान भी राज्यपाल के केन्द्र का प्रतिनिधि होने का समर्थन करता हैं।

राज्यपाल की दोहरी जिम्मेदारी को दृष्टिगोचर करते हुए ही राज्यपाल को केन्द्र व राज्य के बीच सैण्डवीच की संज्ञा दी गई हैं।

सारथि एकेडमी